पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने छठ महापर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किये

गोमती नदी के तट पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर विधिवत उपासना की, 'भोजपुरिया सनेश' स्मारिका का विमोचन किया

छठ महापर्व हमें श्रद्धा, पवित्रता, आत्मशुद्धि, कठोर अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देता : मुख्यमंत्री

छठ प्रकृति, जल और भगवान सूर्य की असीम कृपा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व

माताएं और बहनें निर्जला व्रत रखकर समाज और राष्ट्र के लोककल्याण की भावना से इस महायज्ञ में सहभागी बनतीं

स्व0 शारदा सिन्हा ने अनेक लोकप्रिय छठ गीतों के माध्यम से छठ महापर्व को देश–दुनिया तक पहुंचाया

भोजपुरी समाज द्वारा दशकों पूर्व प्रारम्भ किया गया छठ महापर्व का आयोजन आज व्यापक स्वरूप ले चुका

पूर्वांचल और बिहार से आए लाखों परिवारों ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और उद्यमशीलता से लखनऊ के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया

छठ महापर्व के अवसर पर अपने गांव और घर जाने वाले लोगों के लिए अतिरिक्त बसों एवं रेल सेवाओं की व्यवस्था की गई

लखनऊ : 15 नवम्बर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि छठ महापर्व भारत की सनातन सांस्कृतिक आत्मा का दिव्य प्रकाश है। यह पर्व हमें श्रद्धा, पवित्रता, आत्मशुद्धि, कठोर अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देता है। इस पर्व में जाति–पांति, ऊँच–नीच और छोटे–बड़े का कोई भेद नहीं होता। घाट पर सभी समान भाव से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। सामाजिक समरसता और लोकमंगल की साधना का इससे बेहतर दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता।

मुख्यमंत्री जी आज यहाँ गोमती नदी के तट पर छठ महापर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने अपने सम्बोधन में भोजपुरी का भी प्रयोग किया। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने गोमती नदी के तट पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर विधिवत उपासना की और छठी मईया और भगवान सूर्यदेव से सभी

के मनोरथ पूर्ण होने तथा प्रदेशवासियों के सुख–समृद्ध जीवन की कामना की। उन्होंने व्रतियों पर अपने हाथों से पुष्प वर्षा भी की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 'भोजपुरिया सनेश' स्मारिका का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि छठ महापर्व प्रकृति, जल और भगवान सूर्य की असीम कृपा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। यह हमारा सौभाग्य है कि उत्तर प्रदेश में माँ गंगा, यमुना, सरयू, राप्ती और गोमती जैसी पवित्र नदियां प्रवाहित होती हैं। छठ व्रत की कठोर साधना, निराहार और निर्जला उपवास, आत्मसंयम तथा अनुशासन का अनुपम उदाहरण है। व्रती प्रकृति से प्राप्त अन्न एवं अन्य पदार्थों से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इस पर्व की सबसे बड़ी शक्ति मातृशक्ति है। माताएं और बहनें 36 से 37 घण्टे का निर्जला व्रत रखकर न केवल अपने परिवार, बल्कि समाज और राष्ट्र के लोककल्याण की भावना से इस महायज्ञ में सहभागी बनती हैं।

मुख्यमंत्री जी ने स्व0 शारदा सिन्हा की पावन स्मृति को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व के अवसर पर स्व0 शारदा सिन्हा जी का स्मरण किए बिना यह पर्व पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने अपने मधुर स्वर में अनेक लोकप्रिय छठ गीतों के माध्यम से इस महापर्व को देश–दुनिया तक पहुंचाया और इसे वैश्विक पहचान दिलाई। उनके गीतों ने छठी मईया के प्रति श्रद्धा और अपनी माटी की सुगंध को जन–जन के मन में जीवन्त बनाए रखा। वह भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अपने गीतों और प्रत्येक छठ घाट की गूंज में सदैव जीवित रहेंगी। लोक पर्वों और परम्पराओं को लोक गायन तथा लोक कलाकारों ने नई ऊँचाईयां प्रदान की हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ में भोजपुरी समाज द्वारा दशकों पूर्व प्रारम्भ किया गया छठ महापर्व का आयोजन आज व्यापक स्वरूप ले चुका है। इसमें सभी भाषाओं और क्षेत्रों के लोग उत्साह से सहभागी बन रहे हैं। पद्म पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती मालिनी अवस्थी मूल रूप से कानपुर की हैं और अवधी समाज से जुड़ी हैं, लेकिन वह भोजपुरी के साथ–साथ अवधी और हिन्दी लोक गायन में भी समान रूप से पारंगत हैं। यह आयोजन की व्यापकता और सांस्कृतिक एकात्मता का उदाहरण है। पूर्वांचल और बिहार से आए लाखों परिवारों ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और उद्यमशीलता से लखनऊ के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन परिवारों ने लखनऊ को

अपना घर बनाया है और लखनऊ ने भी उन्हें अपने परिवार का हिस्सा माना है। उत्तर प्रदेश की पहचान किसी एक भाषा, क्षेत्र या समुदाय से नहीं, बल्कि समावेशी संस्कृति, विविधता और एकात्मता से है।

वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में उत्सवों और सांस्कृतिक आयोजनों की स्थिति अच्छी नहीं थी। सनातन परम्पराओं का अपमान करना और उन्हें कोसना कुछ लोगों की राजनीतिक प्रवृत्ति बन गई है। हमारी सांस्कृतिक परम्पराओं और आस्थाओं का सम्मान होना चाहिए। आज प्रदेश में उत्सव और उमंग का वातावरण दिखाई दे रहा है। विगत 07 नवम्बर को अयोध्या में भव्य दीपोत्सव का आयोजन हुआ। दीपावली, छोटी दीपावली, धनतेरस और भाई दूज के बाद अब छठ महापर्व भी पूरे प्रदेश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। छठ महापर्व की तैयारियों की समीक्षा के दौरान विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की जानकारी मिली। वाराणसी में लगभग 20 लाख और गोरखपुर में लगभग 16 लाख श्रद्धालुओं के सहभागिता करने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त गाजीपुर, बलिया, आजमगढ़, मऊ, देवरिया, कुशीनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, जौनपुर, चंदौली, गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर सहित अनेक जनपदों में लाखों श्रद्धालु इस महापर्व का हिस्सा बने हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व उपद्रव और अव्यवस्था के कारण घाटों पर सफाई, प्रकाश, सुरक्षा तथा आवागमन की समुचित व्यवस्था नहीं हो पाती थी। आज प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक प्रबन्ध किए हैं। छठ महापर्व के अवसर पर अपने गांव और घर जाने वाले लोगों के लिए अतिरिक्त बसों एवं रेल सेवाओं की व्यवस्था की गई है। घाटों की सफाई कराई गई है। अतिरिक्त घाट तैयार किए गए हैं। प्रकाश और सुरक्षा के पर्याप्त इन्तजाम किए गए हैं। रात्रि में व्रतियों की सुविधा के लिए पेट्रोलिंग और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि वह प्रातःकाल उदयाचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के अनुष्ठान में निर्भय होकर सम्मिलित हो सकें। किसी भी माता–बहन की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उपद्रव से उत्सव की यात्रा नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की पहचान है। सुरक्षा के वातावरण में ही विकास और विरासत का संरक्षण सम्भव है। प्रदेश में विरासत और

विकास के समन्वय से उत्सवों का आनन्द और उत्साहपूर्ण माहौल दिखाई दे रहा है। विरासत केवल वह नहीं है, जो हमें पूर्वजों से प्राप्त हुई है, बल्कि वह भी है जिसे हम आने वाली पीढ़ियों को सौंपते हैं। आज का शान्तिपूर्ण और उत्सवपूर्ण वातावरण हमारी ऐसी ही विरासत है, जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री जी ने अखिल भारतीय भोजपुरी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें जानकारी दी गई है कि छठी मईया के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने के लिए लगभग 200 कलाकार लगातार 18 घण्टे तक भोजपुरी गीतों की प्रस्तुति देंगे। यह सांस्कृतिक आयोजन की व्यापकता और समाज की आस्था का परिचायक है। आज श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और शान्तिपूर्ण वातावरण में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दे रहे हैं। यही वातावरण हमारी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता को मजबूत करता है।

कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक तथा अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के अध्यक्ष श्री प्रभुनाथ राय ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य श्री पवन सिंह चौहान एवं श्री मुकेश शर्मा, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री अवनीश कुमार अवस्थी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Chhath Pooja Programme-15 November, 2026